शुभ दिपावली

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 274 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 11 नवम्बर, 2023

सियासी वनवास खत्म करने के लिए बसपा ने बनाया मास्टर... 3

भाजपा की सुपर स्टार प्रचारक की तरह काम कर रही ईडी व सीबीआई : कांग्रेस

जांच एजेंसियों के इस्तेमाल पर गरमाई सियासत

» विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से भी लगाई गुहार

» कार्रवाई पर लगाई जाए तुरंत रोक

» बीजेपी ने कहा- सिर्फ राजनीति कर रहा है विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी और सीबीआई द्वारा विपक्षी नेताओं की धडपकड़ पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने बीजेपी की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहें हैं वहां पर ईडी व सीबीआई उनके लिए स्टार चुनाव प्रचारक की भूमिका निभा रहे जबकि मोदी व शाह का नंबर बाद में आता है। वहीं ईडी ने बिहार में बड़ी कार्रवाई की है वहां पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी को गिरफ्तार किया गया जिसके बाद से बिहार में बीजेपी पर राजद हमलावर हो गई है। वहीं एक मामले में ईडी को सुप्रीम कोर्ट की ओर से फटकार भी लगी है। शराब घोटाले मामले में बिजनेसमैन की गिरफ्तारी पर 20 नवंबर को कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को बुलाया है। वहीं इस मामले में विपक्ष ने चुनाव आयोग से मांग की है कि इन एजेंसियों पर रोक लगाए।

आपको बता दें कि कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को चुनावी राज्यों में ईडी की लगातार छापेमारी पर रोक लगाने की मांग चुनाव आयोग से की है। महादेव ऐप मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ ईडी कार्रवाई कर रही ह। कांग्रेस का कहना है कि राजनीतिक दबाव के चलते चुनाव के बीच इस तरीके से ये सब किया जा रहा है। उधर भाजपा ने कहा कि विपक्ष केवल राजनीति कर रहा है।

एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा : जयराम रमेश

राजस्थान विधानसभा चुनाव के बीच उदयपुर पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईडी और सीबीआई भाजपा के दो सुपर स्टार प्रचारक हैं। जबकि स्टार प्रचार गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ हैं। जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने भाजपा के सुपर स्टार प्रचारक ईडी और सीबीआई को कांग्रेस सरकार के खिलाफ उतारा है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों ही राज्यों में ऐसा हो रहा है। एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है। बतादें कि गुरुवार को पीएम मोदी ने उदयपुर में एक जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कन्हैयालाल की हत्या को आतंकी घटना बताते हुए इसे राजस्थान सरकार पर बड़ा दाग बता दिया। साथ ही मोदी ने राजस्थान में बड़े मगरमच्छों को भी पकड़ने की बात कही। इन दोनों ही आरोप का जयराम रमेश ने जवाब दिया। कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी की फोटो दिखाकर उन्होंने पूछा कि ये किस पार्टी का मगरमच्छ है।

कन्हैयालाल के आरोपियों में एक भाजपाई

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा - कन्हैयालाल के आरोपियों को चार घंटे में पकड़ लिया गया था। एक आरोपी भाजपा कार्यकर्ता है। प्रधानमंत्री ने उदयपुर में इसका जिक्र किया तो इसलिए मैं यह फोटो लेकर आया हूं।

लालू के करीबी बिजनेसमैन कात्याल गिरफ्तार

एके इंफोसिस्टम के प्रमोटर बिजनेसमैन अमित कात्याल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले गिरफ्तार कर लिया है। कत्याल, लालू यादव के परिवार के कथित सहयोगी हैं, कत्याल और एके इंफोसिस्टम जमीन घोटाले में ईडी और सीबीआई की जांच के दायरे में हैं। सीबीआई ने घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले में ईडी ने आरोप लगाया था कि अपराध की कुल आय 600 करोड़ रुपये है। एके इंफोसिस्टम का दफ्तर लालू यादव परिवार के एनएफसी स्थित आवास से चल रहा है, ईडी ने मार्च में एक बयान में कहा था, संपत्ति को कागज पर मेसर्स एबी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय के रूप में घोषित किया गया है, लेकिन इसका उपयोग विशेष रूप से तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा आवासीय परिसर के रूप में किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने कात्याल को हिरासत में लिया और फिर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि कात्याल को स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की संभावना है, जहां ईडी पूछताछ के लिए उसकी हिरासत की मांग करेगी। सूत्रों के मुताबिक, कात्याल करीब दो महीने से ईडी के समन की अनदेखी कर रहा था। दिल्ली हाई कार्ट ने हाल में इस मामले में उसके खिलाफ जारी ईडी के समन को रद्द करने के अनुरोध वाली उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

सुप्रीम कोर्ट का ईडी को नोटिस

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में एक धनशोधन मामले में गिरफ्तार किये गये व्यापारी अभिषेक बोइनपल्ली की एक याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। बोइनपल्ली ने ईडी द्वारा की गयी गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए उसे 20 नवंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ बोइनपल्ली की याचिका पर सुनवाई कर रही है। उच्च न्यायालय ने गिरफ्तारी की वैधता को बोइनपल्ली द्वारा दी गयी चुनौती को खारिज कर दिया था। बोइनपल्ली ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम की धारा 19 के गैर अनुपालन के आधार पर उच्च न्यायालय में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। यह धारा गिरफ्तारी की प्रक्रिया से संबंधित है। बोइनपल्ली की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने उच्चतम न्यायालय के हाल के एक फैसले का हवाला दिया और कहा कि ईडी को आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित रूप से बताना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि सुनवाई की अगली तारीख पर वह इस मामले पर बोइनपल्ली की जमानत अर्जी के साथ विचार करेगी, जिसमें 11 अगस्त को नोटिस जारी किया गया था।

केजरीवाल को फंसाने की हो रही बड़ी साजिश : संजय सिंह

» सनसनीखेज दावा-कुछ बड़ी घटना हो सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसद संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी के अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट साझा की और साथ ही एक वीडियो भी साझा किया है। जिसमें वह बड़ा खुलासा करते हुए कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ही नहीं बल्कि उन्हें फंसाने की पूरी साजिश है और कुछ बड़ी घटना हो सकती है। इससे पहले दिल्ली की आबकारी नीति मामले में कथित घोटाले में शुक्रवार को संजय सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने संजय सिंह की न्यायिक हिरासत को एक बार फिर बढ़ा दिया है। संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ ही उनके वकील ने हस्ताक्षर के लिए विकास कार्यों से संबंधित दो सहमति पत्र भी दाखिल किए गए, जिसके लिए कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है। इसके अलावा मानहानि मामले में पंजाब से प्रोडक्शन वारंट को भी कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर कोर्ट ने संजय सिंह को पंजाब के अमृतसर की अदालत में पेश करने की भी इजाजत दी। सिंह को उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज पेश किया गया। शुरुआत में उन्हें पांच दिन की ईडी हिरासत में भेजा गया था। संजय सिंह को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। इस मामले में यह तीसरी हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी है।

सिसोदिया और संजय जेल में ही मनाएंगे दीपावली

दिल्ली में कथित शराब घोटाला मामले में फंसे आम आदमी पार्टी के दो बड़े मनीष सिसोदिया और संजय सिंह इस बार जेल में ही दिवाली मनाएंगे। लेकिन सिसोदिया को एक दिन के लिए पुलिस हिरासत में पत्नी से मिलने की इजाजत दे दी। 11 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम के चार बजे तक पत्नी से मिल सकेंगे। उन्होंने इसके लिए पांच दिन मिलने की इजाजत मांगी थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिसोदिया से कहा कि वे पत्नी से मिलने के दौरान किसी मीडियाकर्मी को बयान नहीं देंगे और पार्टी कार्यकर्ता से भी नहीं मिलेंगे। अदालत ने आबकारी मामले में गिरफ्तार आप सांसद संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी। साथ ही अदालत ने सांसद को शिअद नेता विक्रम मजीठिया ड्रग्स मामले में पंजाब जाने की इजाजत दे दी है।

बीमार पत्नी से मिलने पहुंचे सिसोदिया

राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति के बाद पुलिस दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलवाने लेकर आई है। सिसोदिया अपनी बीमार पत्नी से उस परिसर में मिल रहे हैं जो अब आधिकारिक तौर पर दिल्ली की मंत्री आतिशी को आवंटित किया गया है। यही परिसर पहले उन्हें आवंटित किया गया था। कोर्ट ने सिसोदिया को सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक मिलने की अनुमति दी है। सिसोदिया ने एक आवेदन दायर कर हिरासत में रहते हुए अपनी बीमार पत्नी से पांच दिनों की अवधि के लिए मिलने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने कल सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई की थी। कोर्ट दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों की सुनवाई कर रही है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी हैं। दोनों मामलों में सिसोदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।

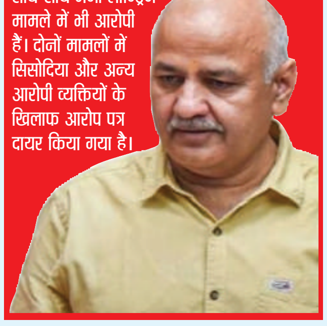

जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं : प्रमोद कृष्णम

» बोले- गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को रोकने के जो प्रयास हुए हैं उसे सारी दुनिया जानती है... राम से नफरत कौन करता है और राम के प्रति श्रद्धा किसकी है? मुझे नहीं लगता कि इस रहस्य पर कोई परदा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का हिस्सा होने का मतलब ये नहीं है कि सच को सच और झूठ को झूठ न कहा जाए। मैंने महसूस किया है कि कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से ही नहीं राम से भी नफरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश का सौभाग्य है कि हम राम मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बनेंगे।

स्टार प्रचारक ना बनाए जाने को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि नाराजगी का कोई कारण नहीं है। हो सकता है उन्हें (कांग्रेस) हिंदुओं के समर्थन की जरूरत ना हो या किसी हिंदू धर्म गुरू को स्टार प्रचारक बनाने का जो मकसद होता है उन्हें उसमें कोई कमी नजर आ रही हो। ये पार्टी का निर्णय है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं है। संपूर्ण विपक्ष और इंडिया गठबंधन के पास प्रियंका गांधी से अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा नेता नहीं है।

चाचा और दादा की मुलाकात राजनीतिक नहीं : सुप्रिया सुले

» शरद पवार से मिले अजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की, जिससे राज्य के राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं। शरद पवार की बेटी और राकांपा की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने कहा कि यह मुलाकात राजनीतिक नहीं थी। जुलाई में महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद चाचा और भतीजे के बीच हुई यह दूसरी मुलाकात है।

घंटे भर चली बैठक 83 वर्षीय शरद पवार के भाई और सकाल मीडिया समूह के मालिक प्रतापराव पवार के घर पर हुई। सुले ने कहा कि प्रताप पवार की पत्नी अस्वस्थ हैं और पवार परिवार के सदस्य इसी सिलसिले में शुक्रवार को उनके घर पर एकत्र हुए थे। उनकी बीमारी के कारण, पूरे परिवार के लिए पवार परिवार के दिवाली समारोह में शामिल होना संभव नहीं होगा।' सुले ने कहा, हमारी राजनीतिक विचारधाराएं अलग-अलग हैं, फिर भी हम अपने व्यक्तिगत संबंध बनाए रखते हैं।

भाजपा ने आदिवासियों को पेशाब दी: दिग्विजय

» नहीं मिल रही किसानों को खाद और बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुना। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शुक्रवार को गुना पहुंचे। यहां बमोरी विधानसभा के फतेहगढ़ में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में आमसभा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपने 2018 में कांग्रेस को जिताया। महेंद्र सिंह सिसोदिया को जिताया। सरकार बनने पर उन्हें कमलनाथ जी ने सिंधिया जी की सिफारिश पर मंत्री बनाया। लेकिन न जाने क्या-क्या लेकर मंत्री ने सरकार गिरवा दी। दिग्विजय सिंह ने महेंद्र सिंह सिसौदिया के विभाग और पूरी भाजपा सरकार पर जमकर भ्रष्टाचार करने का आरोप भी लगाया।

आदिवासियों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के रवैये में अंतर बताते हुए दिग्विजय सिंह ने सीधी पेशाब कांड का जिक्र किया। पूर्व सीएम ने दावा किया कि मनमोहन सरकार ने आदिवासी, सहरिया महिलाओं को हर महीने पैसे देने की योजना लागू की थी। लेकिन भाजपा सरकार ने उनके खातों में पैसे ही नहीं डाले। बमौरी क्षेत्र में खेरूआ आदिवासियों के प्रमाण पत्र नहीं बनने का मुद्दा भी दिग्विजय सिंह ने उठाया। किसानों का जिक्र करते हुए दिग्विजय ने बताया कि इस समय किसानों को खाद और बिजली नहीं मिल रही है। खाद की जमकर कालाबाजारी की जा रही है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2003 से लगातार भाजपा की सरकार है। हम लोगों ने 1993 से 2003 के बीच में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों को अधिकार दिए, खेती के लिए पट्टे दिए, आवास के पट्टे दिए, पंचायती राज दिया, जिसमें शिक्षाकर्मी और पंचायत कर्मी की नियुक्तियां हुईं, जन स्वास्थ्य रक्षक बने।

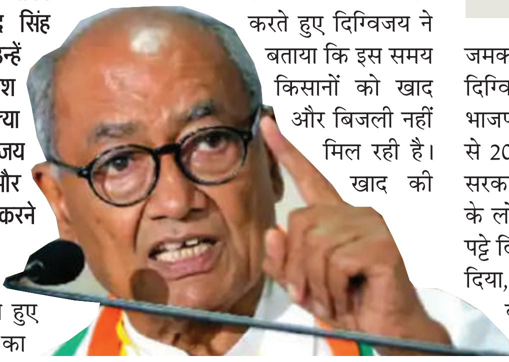

सिंधिया गद्दार

दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस द्वारा अजा-अजजा और गरीब वर्ग के हित में हमेशा काम करने का ब्यौरा देते हुए आजादी की लड़ाई में योगदान बताया। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर, महात्मा गांधी और पं. जवाहरलाल नेहरू सहित पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का भी जिक्र किया। जबकि सिंधिया परिवार की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतने बड़े घराने के व्यक्ति ने कांग्रेस से गद्दारी कर दी। कांग्रेस ने उन्हें क्या नहीं दिया? मंत्री बनाया, सम्मान से रखा, लेकिन क्या कारण है कि वह छोड़कर चले गए।

पीडीए की ताकत से घबराई बीजेपी-कांग्रेस

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- मध्य प्रदेश की जनता चाहती है बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्संख्यकों (पीडीए) की ताकत देखकर कांग्रेस व भाजपा घबरा गई है। सपा मुखिया ने कहा है कि मध्य प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। समाजवादी पार्टी को मध्य प्रदेश में जनता का अच्छा समर्थन मिल रहा है। समाजवादी पार्टी की विचारधारा भाजपा-कांग्रेस से अलग है। अखिलेश ने ये बातें मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान की।

उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्संख्यकों की ताकत देखकर अब कांग्रेस भी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय की बात कर रही है। इसी कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद जातीय जनगणना रोकी थी। समाजवादी पार्टी वंचित वर्ग की आवाज बनेगी। मध्य प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएगी। वहीं मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने मध्य प्रदेश के पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड-शो कर पार्टी प्रत्याशी मिनी यादव और निवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी मीरा दीपक यादव के पक्ष में रोड-शो किया। रोडशो में डिंपल यादव ने कहा कि यह सरकार महिलाओं के अधिकारों को छीन रही है। भाजपा महिलाओं को धोखा दे रही है। भाजपा सरकार में महिला अपराध चरम पर है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद खराब है। बहन-बेटियों को शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं मिल रही है।

नौजवानों और बच्चों का भविष्य खत्म कर रही बीजेपी : डिंपल

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों और बच्चों का भविष्य खत्म कर रही है। लम्बे समय से मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है लेकिन नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। केन्द्र में दस साल और मध्य प्रदेश में 20 साल से भाजपा सरकार है लेकिन किसानों की आय दुगनी नहीं हुई। भाजपा ने जनता की उम्मीदों और भरोसे को तोड़ा है। डिंपल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ेगी तो गरीबों, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, आदिवासियों के हित में काम होगा। मध्य प्रदेश का विकास होगा।

सियासी वनवास खत्म करने के लिए बसपा ने बनाया मास्टर प्लान

» 2007 से लगातार घट रहा बीएसपी का सियासी वर्चस्व

» पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के जरिए जनता को लुभाने में जुटीं मायावती

आराध्य त्रिपाठी/4पीएम न्यूज़

लखनऊ। कभी उत्तर प्रदेश की सत्ता पर राज करने वाली बहुजन समाज पार्टी पिछले कुछ वक्त से अपना सियासी वनवास झेल रही है। 2007 में अंतिम बार मायावती उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुई थीं। लेकिन उसके बाद मानो मायावती और बसपा को ऐसा ग्रहण लगा कि तबसे सत्ता तो दूर की बात बसपा कभी मुकाबले में भी नजर नहीं आई। फिर वो चाहें 2012 का विधानसभा चुनाव जहां समाजवादी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की थी। हालांकि, इस चुनाव में बसपा प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। लेकिन इसके बाद 2014, 2017, 2019 और 2022 इन चार चुनावों में बसपा का ऐसा डाउनफाल हुआ कि अभी तक बसपा ऊपर ही नहीं उठ पाई है।

यही वजह है कि कभी प्रदेश की प्रमुख पार्टी रहने वाली बसपा इस समय उत्तर प्रदेश में सिर्फ एक विधायक के साथ गुजर कर रही है। तो वहीं लोकसभा में भी मायावती ने बसपा को जीवित करने के लिए अपने प्रमुख प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के साथ अखिलेश यादव के नेतृत्व में गठबंधन तक कर लिया। बुआ-भतीजे की जोड़ी एकसाथ भाजपा-कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए उतरी। यहां 2014 से मुकाबले तो जरूर बसपा को फायदा पहुंचा। क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में तो बसपा एक भी सीट को नहीं जीत पाई थी। लेकिन 2019 में अखिलेश यादव के साथ आकर मायावती को फायदा पहुंचा और उनकी संख्या जीरो से 10 तक पहुंच गई। हालांकि, उसके बाद हालातों में परिवर्तन हुए और काफी कुछ बदला। लेकिन 2019 के बाद जब 2022 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव आए तो मायावती व पूरी बसपा को उम्मीद थी कि पार्टी कुछ बेहतर प्रदर्शन करेगी और भारी संख्या में सीटें जीतकर लाएगी। लेकिन जब परिणाम आए तो जो सामने आया वो न सिर्फ बसपा और मायावती के लिए भयावह था बल्कि बसपा के सभी समर्थकों के लिए भी काफी निराश करने वाला करने वाला परिणाम था। क्योंकि कभी प्रदेश की सत्ता पर राज करने वाली पार्टी 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई। विधानसभा चुनाव का ये परिणाम बसपा व मायावती के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। क्योंकि ये हाल उस पार्टी का है जिसके पास अपना सेपरेट वोट है, जो काफी ज्यादा मात्रा में है। हालांकि, अब भाजपा उस वोट को तोड़ने का दावा करती है। लेकिन अगर अभी भी आप एक वर्ग से बात करेंगे तो उनके मुंह से बहनजी का ही नाम सुनेंगे। लेकिन इस बात में भी कोई दोराय नहीं है कि सत्ता में आने के बाद से भाजपा ने काफी हद तक बसपा के इस वोट बैंक में सेंधमारी की है। जिसकी झलक चुनाव परिणामों में भी साफ तौर पर देखने को मिल ही जाती है।

जनाधार वाले नेताओं का अभाव

बसपा के कमजोर होने की एक वजह ये भी है कि उसके पास अब वो जमीनी नेता नहीं रहे हैं। जो कभी हुआ करते थे। यही वजह है कि अब एक बार फिर मायावती ने स्थानीय सम्मेलनों में क्षेत्रीय नेताओं को भी तवज्जो देने की बात कही है। साथ ही उन्हें पार्टी में बड़ा पद देने की बात कही गई है। बीएसपी की इस रणनीति के पीछे भी बड़ी वजह है कि पहले बीएसपी के पास अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग जाति धर्म वर्ग से आने वाले ऐसे प्रभावशाली नेता थे जिनका अपने इलाके में और अपने वोट बैंक पर मजबूत पकड़ रहती थी। लेकिन कुछ लोग पार्टी छोड़ कर चले गए तो कुछ लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। 2017 के बाद तो यह सिलसिला और तेज हो गया। फिर इसी का नतीजा रहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई। 2023 के निकाय चुनाव में भी बसपा का मुस्लिम कार्ड काम नहीं आया। एक वक्त था जब बीएसपी में दद्दू प्रसाद, आर के चौधरी, राम अचल राजभर, लालजी वर्मा, स्वामी प्रसाद मौर्य, दीनानाथ भास्कर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा, रामवीर उपाध्याय, ठाकुर जयवीर सिंह जैसे नेता हुआ करते थे। जिनका अपने क्षेत्र में और अपने समाज में अच्छा प्रभाव था। लेकिन कुछ लोग पार्टी से बाहर कर दिए गए तो कुछ पार्टी छोड़ कर चले गए।. हालांकि बीजेपी के नेता बीएसपी की बदली हुई रणनीति पर कह रहे हैं कि अब उनका कोई जनाधार नहीं है वह कोई भी रणनीति तैयार कर ले जनता बीजेपी के साथ जाने वाली है। एक समय था जब बसपा का एक वक्त अच्छा खासा प्रभाव हर एक क्षेत्र में हुआ करता था और इसके नेताओं की ना सिर्फ अपने क्षेत्र में बल्कि अपने कैडर और वोट बैंक पर भी अच्छी पकड़ थी। लेकिन धीरे-धीरे जब नेता पार्टी छोड़कर चलते बने तो उन्होंने इसके पीछे पार्टी की बदलती नीति को जिम्मेदार बताया और इसका संदेश ना सिर्फ पार्टी के बाहर बल्कि कैडर के बीच भी गया कि पार्टी अपनी नीति से अलग चल रही है। यही वजह है कि बसपा अब फिर से एक प्रभावशाली लीडरशिप तैयार करने में जुट गई है।

युवाओं को भी साधने की तैयारी

साथ ही अब लोकसभा चुनाव में बसपा युवाओं को लुभाने का भी प्रयास करेगी। इसके लिए मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अभी से ही आगे करना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले ही एक बैठक ने मायावती को सार्वजनिक रूप से आकाश को आगे किया था और उनके कंधे पर हाथ रखे नजर आई थीं। जिससे ये साफ संदेश गया कि भविष्य में बसपा का चेहरा आकाश आनंद ही होंगे। तो वहीं आकाश आनंद के जरिए बसपा युवाओं को अपने साथ जोड़ने का भी प्रयास करेगी। फिलहाल अब देखना ये है कि बसपा 2024 में इन सारी रणनीतियों के सहारे कहां तक पहुंच पाती है। क्योंकि जाहिर है कि एक ओर जहां भाजपा की अगुवाई वाला एनडीए 38 दलों को एकसाथ लेकर 24 के चुनाव के लिए आगे बढ़ रहा है। तो वहीं दूसरी ओर लगभग 26 दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन का गठन किया है। हालांकि, ये विपक्षी गठबंधन लोकसभा चुनावों से पहले ही टूट की कगार पर पहुंच गया है। लेकिन इन दोनों गठबंधनों से इतर मायावती ने 2024 में लोकसभा चुनाव में अकेले ही उतरने का प्लान बनाया है। क्योंकि मायावती का कहना है कि गठबंधन से उन्हें नुकसान हुआ है। हालांकि, 2019 के हालात उनके इस बयान से पूरी तरह से अलग रहे थे। फिर भी मायावती का ये अपना विचार है और इसी के सहारे अब वो 24 के चुनाव में अकेले ही अपने दम पर उतरने जा रही हैं। अब देखना ये ही है कि क्या 24 के चुनावों में मायावती की किस्मत कुछ बदलती है। या फिर जो हाल पिछले लगभग 11 साल से चला आ रहा है, वही चलता रहेगा।

विस चुनावों में एक्टिव मोड में नजर आ रहीं माया

ऐसे में अब जब एक बार फिर लोकसभा चुनाव आ गए हैं और 2024 में होने वाले इन आम चुनावों में अब सिर्फ 4 से 5 महीनों का ही समय बाकी रह गया है। तब सभी दलों की तरह बसपा और मायावती भी अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई हैं। क्योंकि मायावती का मानना है कि उन्हें पुराने अनुभवों और उन परिणामों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना और 2024 में भाजपा के सामने एक मजबूत चुनौती पेश करनी है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी मायावती अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं। मायावती मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए सुपर एक्टिव मोड में नजर आ रही हैं। वो लगातार प्रदेश के चक्कर लगा रही हैं और भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस पर भी लगातार हमला बोल रही हैं। मध्य प्रदेश में मायावती जनता से कह रही हैं कि अकेली बसपा ही ऐसी पार्टी है जो गरीबों, आदिवासियों व दलितों का भला चाहती है और भला करती है। बाकी भाजपा और कांग्रेस सिर्फ बातें करते हैं। एमपी चुनाव में मायावती लगातार आरक्षण के मुद्दे को भी उठा रही हैं। और इसको लेकर भी कांग्रेस और भाजपा दोनों पर ही बराबर से हमला बोल रही हैं। मकसद साफ है। मायावती इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के जरिए 2024 के लिए अपनी जमीन को मजबूत बनाने में जुटी हुई हैं। क्योंकि मायावती सोच रही हैं कि अगर इन राज्यों में उनकी पार्टी ने कुछ बेहतर प्रदर्शन किया और कुछ एक सीटें ही हासिल कर लीं। तो संभव है कि 24 के लोकसभा चुनाव में भी उन्हें इस प्रदर्शन का फायदा मिल सके। वहीं इन चुनाव में अपने भाषणों में बार-बार दलितों और पिछड़ों की बात करके मायावती फिर एक संदेश देना चाहती हैं कि दलितों के भले के लिए अभी भी उनकी ही पार्टी सबसे आगे है। और वो ही दलितों की सच्ची हितैषी हैं। क्योंकि जाहिर है कि मायावती भी अब इस बात को अच्छे से समझ चुकी हैं कि भाजपा ने उनके इस दलित वोट बैंक में अच्छी-खासी सेंधमारी कर ली है। मुफ्त राशन और गांवों में शौचालय बनवाकर भाजपा ने दलितों को लुभाने का काम किया है। जिसका काफी हद तक असर भी देखने को मिला है। वहीं दूसरी ओर अखिलेश यादव भी पीडीए के जरिए दलितों व पिछड़ों पर डोरे डालने का प्रयास कर रहे हैं। जिसका नुकसान भी मायावती को ही उठाना पड़ सकता है। यही वजह है कि अब 24 के चुनाव से पहले मध्य प्रदेश चुनाव के जरिए अपने भाषणों से मायावती ये संदेश देना चाह रही हैं कि उनकी ही पार्टी दलितों की सच्ची हितैषी पार्टी है। और दलितों की वो ही पुरानी बहन जी हैं।

सोशल इंजीनियरिंग के 2007 के फॉर्मूले पर चल रही बसपा

2024 में अपने बेहतर प्रदर्शन के लिए मायावती अभी से ही जुट गई हैं। इसके लिए वो आपने पक्के वोट बैंक के साथ-साथ अन्य वर्गों को भी साधने का प्रयास कर रही हैं। पिछले कुछ वक्त से भाजपा से बढ़ती ब्राह्मणों की नाराजगी को देखते हुए मायावती एक बार फिर अपने 2007 वाले फॉर्मूले को अपनाने की सोच रही हैं। 24 के लिए बसपा एक बार फिर से आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों पर फोकस करने का प्लान बना रही है। साथ ही अपने कैडर वोट को जोड़ने के लिए पार्टी ने दलित बहुल क्षेत्रों में भी काम करने की रूपरेखा तैयार करनी शुरू कर दी है। इससे साफ है कि मायावती और उनकी पार्टी अपने सोशल इंजीनियरिंग के साल 2007 के फॉर्मूले पर दोबारा से भरोसा करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बना रही है। साफ है कि साल 2007 में सत्ता में आने के बाद से बसपा का वोट लगातार खिसकता जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में बीएसपी को सिर्फ 1 करोड़ 18 लाख वोट मिले और बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट पर मिली एकमात्र जीत से ही संतोष करना पड़ा। जबकि यूपी में दलित वोटरों की संख्या अभी भी लगभग 3 करोड़ है। इससे ये साफ होता है कि मूल रूप से बीएसपी के कोर वोटर के तौर पर माने जाने वाले ये मतदाता धीरे-धीरे कर खिसकते जा रहे हैं। संभव है कि ये वोटर जा भाजपा के ही खेमे में रहे हैं। अब 24 की तैयारियों में जुटी बीएसपी अलग-अलग क्षेत्र में कैडर कैंप का आयोजन कर रही है। इसके जरिए वो सर्व समाज के फॉर्मूले पर फोकस करना चाहती है। इस फॉर्मूले के तहत बसपा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को जोड़ने के लिए प्रयासरत है। पदाधिकारियों को लक्ष्य दिए जा रहे हैं। बीएसपी के गांव चलो अभियान में इस वर्ग पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग योजना बना रही है। बीएसपी इस वक्त कैडर कैंप के जरिए दलित बस्तियों में भी कैंप कर रही है। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग से कार्य योजना भी बना रही है। इसी कैंप के तहत बसपा युवाओं और महिलाओं को जोड़ने के साथ-साथ गरीब सवर्णों पर भी फोकस कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बहुत तेजी से बढ़ रहा सूखा, चेतना जरूरी

"विशेषज्ञ कहते है कि पर्यावरण संतुलन पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले में जल संकट गहरा सकता है। इसलिए नीति निर्धारकों की नहीं आम लोगों को ऐसे उपाया करने होंगे जिससे दुनिया में पानी का संकट आए। दरअसल, धरती पर हर तरह के पानी का लगभग एक फीसदी ही ताजा या मीठा पानी है जो लोगों, पौधों या जमीन में रहने वाले जानवरों के लिए उपलब्ध है।

कुछ वर्षों से जलवायु में बहुत परिवर्तन देखने को मिल रहा है। दुनिया के किसी भाग में पानी ही पानी तो किसी भाग में सूखा दिखाई दे रही है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि ये सब प्रभाव अलनीनो की वजह से है। विशेषज्ञ कहते है कि पर्यावरण संतुलन पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले में जल संकट गहरा सकता है। इसलिए नीति निर्धारकों की नहीं आम लोगों को ऐसे उपाया करने होंगे जिससे दुनिया में पानी का संकट आए। दरअसल, धरती पर हर तरह के पानी का लगभग एक फीसदी ही ताजा या मीठा पानी है जो लोगों, पौधों या जमीन में रहने वाले जानवरों के लिए उपलब्ध है। बाकी महासागरों में है या ध्रुवीय बर्फ की चादरों और चट्टानों में बंद है। जलवायु में हो रहे बदलाव से दुनिया में उस एक फीसदी का वैश्विक वितरण बिल्कुल नए तरीके से महत्व रखता है।

पिछले दो दशक से उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्ध अधिक सूख रहा है। साइंस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, अल नीनो के कारण दक्षिण गोलार्ध में और सूखा पड़ेगा और इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। लोगों को घटते जलस्तर के कारण संकट का सामना करना पड़ेगा। अध्ययन के निष्कर्ष उपग्रहों के आंकड़ों, नदी और धारा प्रवाह के माप पर आधारित हैं। इस प्रक्रिया ने अध्ययनकर्ताओं को पानी की उपलब्धता में बदलावों का मॉडल और गणना करने में सक्षम बनाया। पानी की उपलब्धता भूमि पर वर्षा के रूप में परिदृश्य को आपूर्ति किए गए पानी की मात्रा और सामान्य वाष्पीकरण से या पौधों से उनकी पत्तियों के माध्यम से वायुमंडल में निकाले गए पानी के बीच का कुल अंतर है। जलवायु में हो रहे बदलाव से दुनिया में उस एक फीसदी का वैश्विक वितरण बिल्कुल नए तरीके से महत्व रखता है। भले ही दक्षिणी गोलार्ध में वैश्विक भूमि क्षेत्र (अंटार्कटिका को छोड़कर) का केवल एक चौथाई हिस्सा है फिर भी उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दुनियाभर में पानी की उपलब्धता पर इसका काफी अधिक प्रभाव पड़ता है। दक्षिणी गोलार्ध में ऑस्ट्रेलिया का दसवां हिस्सा, दक्षिण अमेरिका, एक तिहाई अफ्रीका तथा एशिया के कुछ दक्षिणी द्वीप मौजूद हैं। इसमें लगभग 81 फीसदी पानी (जो उत्तरी गोलार्ध से अधिक है) और 32 फीसदी भूमि (जो उत्तरी गोलार्ध से कम है) शामिल है। सूखे के कारण मुख्य कसावा की पैदावार में गिरावट आ रही है। कॉफी और कोको जैसे निर्यात में भी कमी आ रही है। इससे आजीविका का नुकसान, गरीबी और भुखमरी की स्थिति पैदा हो रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वायु स्वच्छता के प्रति समाज भी निभाए दायित्व

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली की सीमा से लगे यूपी के गाजियाबाद जिले के सरकारी अस्पतालों में बीते एक हफ्ते के दौरान समय-पूर्व प्रसव के 39 मामले आये। प्रसूता को ऑक्सीजन की कमी इसका मूल कारण हैं। आखिर हो भी क्यों न! गाजियाबाद से सटे आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 900 पार हो गया है। यदि किसी संवेदनशील देश में यह हालात होते तो वहां तालाबन्दी जैसे हालात हो जाते। कहने को ग्रैप-3 यानी तीसरी स्टेज की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू कर दी है लेकिन न सड़कों पर जाम खत्म हुआ और न ही स्मॉग की घनी चादर कम हो रही। इस साल भी आतिशबाजी पर कड़ाई से पाबंदी लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संदेश दे दिया कि दूसरों के जीवन की कीमत पर आतिशबाजी की छूट नहीं दी जा सकती है। लेकिन हालात को जब समाज ही और ज्यादा गंभीर बना दे तो किसकी दुहाई दी जाये? अभी करवा चौथ की रात जब चंद्रमा निकला तो पटाखे आकाश में उछाले जा रहे थे।

जाहिर है कि इसका भी असर होना ही था। दिल्ली ही नहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अस्पताल सांस-अस्थमा के साथ-साथ दिल के रोगियों की अप्रत्याशित संख्या से बेहाल हैं। विडंबना है, इस धीमी मौत को समाज खुद ही आमंत्रित कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी की अर्जी ठुकराते हुए कहा कि जश्न मनाने के दूसरे तरीके ढूंढ सकते हैं। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ ने तिवारी से कहा कि उन्हें अपने समर्थकों से भी कहना चाहिए कि रोशनी और आनंद के पर्व पर पटाखे न चलाएं। अदालत ने साफ कर दिया कि अकेले दिवाली ही नहीं, छठ, गुरुपर्व और नये साल पर भी आतिशबाजी पर पाबंदी रहेगी, यहां तक कि ग्रीन आतिशबाजी भी नहीं। असल में, कानून और अदालत के जरिये आतिशबाजी पर रोक की कोशिशें कई साल से चल रही हैं। अदालतें कड़े आदेश भी देती हैं, सरकारें इश्तिहार निकालती हैं। स्कूली बच्चे पोस्टर-रैली भी निकालते हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं जो कुतर्क के साथ और अवैज्ञानिक तरीके से अदालत की अवहेलना करते हैं। यह कड़वा सच है कि पुलिस या प्रशासन के पास न तो इतनी मशीनरी है और न ही इच्छाशक्ति कि हर जगह निगाह रख सके। लेकिन समाज को तो खुद और अपने परिवार की सांसों की परवाह होनी चाहिए। धार्मिक ग्रंथों से यह स्पष्ट हो चुका है कि बारूद के पटाखे चलाना कभी भी परंपरा का हिस्सा रहा नहीं है। इस साल दिवाली

से पहले ही दिल्ली ही नहीं, देश के बड़े हिस्से में 'स्मॉग' छा गया है। इस कोहरे मिश्रित धुएं में जहरीले कण शामिल होते हैं जो कि भारी होने के कारण ऊपर उठ नहीं पाते व इंसान की पहुंच वाले वायुमंडल में ही रह जाते हैं। जो सांस लेते समय फेफड़े में प्रवेश कर जाते हैं। इससे दमा, सांस ,ब्लड प्रेशर व हार्ट अटैक तक का खतरा मंडराने लगता है। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर की हवा में जहर के हालात देखते हुए इलाके में आतिशबाजी की बिक्री पर रोक लगाई थी। उसके बाद हर साल दिवाली से पहले कभी रोजगार तो कभी परंपरा के नाम पर इस पाबंदी को हटाने की मांग होती है और हर बार कोर्ट का रुख कड़ा होता है। यह किसी से छुपा नहीं है कि दीपावली की आतिशबाजी राजधानी दिल्ली सहित देश के 200 से अधिक महानगरों व शहरों की आबोहवा को जहरीला कर देती है। दिल्ली में तो कई सालों से बाकायदा सरकारी सलाह जारी की जाती है- यदि जरूरी न हो तो घर से न निकलें। फेफड़ों को जहर से भर कर अस्थमा व कैंसर जैसी बीमारी देने वाले पीएम अर्थात हवा में मौजूद छोटे कणों की निर्धारित सीमा 60 से 100 माइक्रो ग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है, जबकि दीपावली से पहले ही यह सीमा 900 के पार तक हो गई है। यही हाल देश के अन्य महानगरों, प्रदेशों की राजधानियों व मंझोले शहरों के भी हैं। चूंकि हरियाणा-पंजाब में पराली जल ही रही है, वहीं हर जगह हो रहे अनियोजित निर्माण धूल के कारण हवा को दूषित कर रहे हैं, तिस पर मौसम का मिजाज। यदि ऐसे में आतिशबाजी चलती है तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। बता दें कि पटाखे जलाने से निकले धुएं में सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन डायआक्साइड,मोनो आक्साइड, शीशा, आर्सेनिक, बेंजीन, अमोनिया जैसे कई जहर सांसों के जरिये शरीर में घुलते हैं।

इनका कुप्रभाव पशु-पक्षियों पर भी होता है। ससे उपजा करोड़ों टन कचरे का निपटान भी बड़ी समस्या है। भयानक वायु प्रदूषण होता है। इसके कागज वाले हिस्से को रिसाइकिल किया जाए तो भी जहर घर, प्रकृति में आता है। वहीं यदि इसे डंपिंग में पड़ा रहने दिया जाए तो इसके रासायनिक विष-कण मिट्टी व भूजल को जहरीला कर देते हैं।

बाजार मुस्कुराया पर महंगाई की फिक्र

जयंतीलाल भंडारी

दीपावली त्योहार के इन दिनों में शहरी और ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग और उत्साह का सुकून दिखाई दे रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईआई) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि महंगाई में आई कमी से कच्चे माल की लागत एक-तिहाई घट गई है। पिछले माह अक्टूबर, 2023 में ई-वे बिल या इलेक्ट्रॉनिक परमिट जनरेशन का आंकड़ा 10.3 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। किसी माल को राज्य के भीतर और बाहर भेजने के लिए कारोबारी ऑनलाइन ई-वे बिल निकालते हैं। करीब 50 हजार रुपये से ज्यादा का माल दूसरी जगह भेजने के लिए ई-वे बिल निकालना जरूरी है। ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति बढ़ने के रुझान का प्रारंभिक संकेत मानी जाती है। इस समय देश की कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ गया है। घरेलू निवेशकों के दम पर शेयर बाजार लगातार बढ़ रहा है।

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि इन दिनों जहां कच्चे तेल की कीमतें ऊंचाई पर हैं तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार ढहते हुए दिखाई दे रहे हैं, वहीं ऐसी प्रतिकूलताओं के बीच भी भारत के बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि अक्टूबर, 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बार सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई है। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की क्रयशक्ति बढ़ी है। लेकिन महंगाई की आशंका के मद्देनजर सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक कवायद करते हुए दिखाई दे रही है। 6 नवंबर को केंद्र सरकार ने भारत आटा नाम ब्रांड से देशभर में 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर गेहूं के आटे की बिक्री शुरू कर दी है। 28 अक्टूबर को महंगाई रोकने के मद्देनजर केंद्र सरकार ने वादा कारोबार पर अंकुश के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

इसके तहत सेबी ने सात तरह की एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर पाबंदी को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। इनमें गेहूं, सरसों, चना और मूंग जैसे अनाजों के साथ ही तिलहन में सोयाबीन, क्रूड पाम (सीपीओ) के साथ गैर-बासमती ट्रेडिंग शामिल है। इन सभी एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर दिसंबर, 2024 तक पाबंदी जारी रहेगी। अभी दिसंबर, 2023 में पिछले आदेश के अनुसार प्रतिबंध खत्म हो रहा था। उल्लेखनीय है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई कोविड के दौर में तेजी से बढ़ी थी। इसके बाद सरकार ने सोयाबीन के बाद गेहूं, चना और अन्य तेल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का उद्देश्य वायदा कारोबार में मनमानी तेजी-मंदी को रोककर हाजिर बाजार में स्थिरता लाना है। इसी तरह देशभर में प्याज की आपूर्ति में कमी के कारण प्याज के खुदरा मूल्य के ऊंचाई पर पहुंचने के मद्देनजर 28 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने प्याज के बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर दिया है।

अब 800 डालर प्रति टन से कम मूल्य पर प्याज का निर्यात नहीं किया जा सकेगा। यह न्यूनतम निर्यात मूल्य 31 दिसंबर, 2023 तक के लिए तय किया गया है। सरकार ने कीमतों पर अंकुश के लिए बफर स्टाक से कम मूल्यों पर प्याज की खुदरा बिक्री भी बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज की खरीद की भी घोषणा की है। गौरतलब है कि सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए मौद्रिक आयात नियंत्रण और स्टॉक सीमा निर्धारण के उपायों को भी अपना रही है। 6 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले से फिलहाल मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा और महंगाई में नरमी आएगी। केंद्र सरकार ने विगत 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटाकर भी बड़ी राहत दी है।

केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई थी, वह अब तक जारी है। सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन को न्यूनतम मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। सरकार ने उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है। इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के जरिए रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है। इसी तरह सब्जियों, दालों और तिलहन के दाम काबू में रखने के लिए भी उपाय किए गए हैं। यह निर्धारित हुआ है कि दाल के थोक व्यापारी या बड़ी रिटेल चेन अधिकतम 50 टन तुअर और 50 टन उड़द स्टॉक में रख सकेंगे।

दिवाली ऐसे करें लक्ष्मी-गणेश की आराधना

पूजा का शुभ मुहूर्त

दिवाली यानी दीपावली के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 12 नवंबर की शाम 5 बजकर 40 मिनट से लेकर 7 बजकर 36 मिनट तक है। वहीं लक्ष्मी पूजा के लिए महानिशीथ काल मुहूर्त रात 11 बजकर 39 मिनट से मध्यरात्रि 12 बजकर 31 मिनट तक है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार इस मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।

दिवाली तिथि

दिवाली का पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि के दिन मनाया जाता है। इस साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि की शुरुआत 12 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 44 मिनट से शुरू हो रही है। इसका समापन 13 नवंबर, सोमवार की दोपहर 2 बजकर 56 मिनट पर हो रहा है। हिंदू धर्म में वैसे तो उदया तिथि के आधार पर पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं, लेकिन दिवाली के दिन लक्ष्मी पूजा प्रदोष काल के समय करना शुभ होता है। प्रदोष काल की पूजा का समय 12 नवंबर को प्राप्त हो रहा है, इसलिए इस साल दिवाली 12 नवंबर 2023 को मनाई जाएगी।

दिवाली हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। यही वजह है कि इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करके जीवन में सुख-समृद्धि आने की कामना करते हैं, लेकिन इस साल दिवाली की सही तारीख को लेकर असंजस की स्थिति बनी हुई है।

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है।

क्यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदते समय रखें इनका ध्यान

दिवाली पर दौरान लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्ति खरीदने का विधान है। हालांकि इनकी नई मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कहते हैं दिवाली के दिन मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा करने से घर में सुख-संपदा बनी रहती है। इस दौरान मां लक्ष्मी और गणेश भगवान की नई मूर्तियां खरीदी जाती है। बाजार से लक्ष्मी मां और गणेश भगवान की मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरू है। गणेश की नई मूर्ति खरीदते समय उनकी सूंड बाई ओर हो ना की दाईं ओर। गणेश भगवान के साथ उनकी सवारी मूषक और उनकी प्रिय मिठाई मोदक भी जरूर हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें की मूर्ति ऐसी न खरीदें जिस पर वे उल्लू पर सवार हों। इसके अलावा मूर्ति खड़ी अवस्था में न हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति ऐसी होनी चाहिए जिस पर वे कमल पर विराजमान हो। ऐसी मूर्ति सबसे शुभ मानी जाती है। कभी भी लक्ष्मी मां और भगवान गणेश की जुड़ी हुई मूर्ति न खरीदें। दोनों मूर्तियां अलग-अलग लें।

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबंड-भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार,18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नहीं आती, दुसरी औरत को घूर घूर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

मुकेश अंबानी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

कहानी: एक सत्संग ऐसी भी

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के एक घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहां जाते है। सेठजी बोले-सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। सेठजी संत की हालत देख कर चुप-चाप वहां से निकल जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है कि तेरी किस्मत ही खराब है जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नहीं सेठजी में सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते हैं, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां हैं। सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया, मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया। इस कहानी से तात्पर्य ये है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बाते करते हैं या सुनते भी हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में हीं उलझा रहता हैं। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते हैं जिसमें हमारा स्वार्थ सिद्ध होता हैं। जबकि सत्संग जाकर हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्व देना चाहिये और जिस असत्य, झूठ और अहंकार को हम धारण किये हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

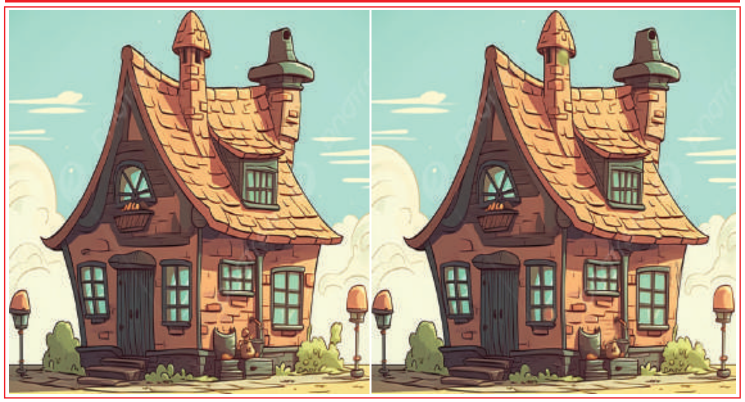

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज प्रवास और यात्रा की संभावनाएं है। दिवाली की शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृषभ
दिवाली का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज घर परिवार में आपकी कुछ जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जिसके कारण आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा।

मिथुन
आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं के योग बन रहे हैं। व्यापार की गति तेज़ होगी। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे।

कर्क
आज दिवाली के दिन नौकरीपेशा लोगों को थोड़ा संभल कर रहने की जरूरत है। हो सकता है कि कार्यस्थल पर आपका किसी से विवाद हो जाए।

सिंह
दिवाली के दिन आपके चारों ओर का वातावरण सुखमय रहेगा। आज आपको किसी भी कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होना है। आपके सभी कार्य आसानी से बनते चले जाएंगे।

कन्या
आज दिवाली का दिन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। सेहत के लिहाज से दिन बेहतर रहने वाला है।

तुला
आज दिवाली के दिन आप अपने दिल की बातें साझा करने की सोच सकते हैं। अपने मन की बात कहने में घबराएं नहीं। शान शौकत पर अधिक खर्च से बचें।

वृश्चिक
जो लोग रोजगार की दिशा में प्रयास कर रहे हैं आज का दिन उनके लिए उत्तम रहने वाला है। उनको आज कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे।

धनु
आज आपको आर्थिक रूप से अपने सगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को अपने करियर को बेहतर बनाने में गुरुजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर
आपकी मेहनत और कार्यशैली नौकरी में सफलता प्रदान करेगी। अगर आप व्यापार करते हैं और कोई बड़ा निवेश करने वाले हैं तो आज आपको कोई अच्छा मौका मिल सकता है।

कुम्भ
आज दिवाली के दिन आपको अपने किसी नए कार्य के कारण आपने डेली रूटीन में बदलाव करना पड़ सकता है। नौकरी कर रहे जातकों को आज पदोन्नति प्राप्त हो सकती है।

मीन
दिवाली का दिन बढ़िया रहेगा। आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी लेकिन ओवर कॉन्फिडेंस होने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड मसाला

प्रभास की सालार में हुई निमरत कौर की इंट्री

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। दर्शक बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वहीं फैंस को फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी का भी इंतजार है। अब हाल ही में, खबर आई है कि फिल्म गदर-2 के साथ मुख्य भूमिका में डेब्यू करने वाली सिमरत कौर भी प्रभास की सालार में नजर आएंगी। सिमरत के फैंस इस खबर से काफी उत्साहित हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास को अभिनीत फिल्म सालार पार्ट 1 - सीजफायर में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अभिनेत्री हाल ही में हैदराबाद के रामोजी राव फिल्म सिटी में गाने की शूटिंग के सेट पर शामिल हुईं। 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म 1 दिसंबर को एक भव्य कार्यक्रम के साथ फिल्म का ट्रेलर भी जारी करने वाली है। सालार में सिमरत कौर पर फिल्माए गए गाने की शूटिंग कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी क्योंकि हाल तक फिल्म में किसी विशेष गाने की कोई पिछली खबर नहीं थी।

सिमरत कौर को आखिरी बार फिल्म गदर-2 में मुस्कान का किरदार निभाते हुए देखा गया था, जो उत्कर्ष शर्मा के किरदार चरणजीत सिंह की प्रेमिका थी। यह फिल्म सिनेमाघरों में जबरदस्त हिट रही और 2023 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और अब तक की सातवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। सालार 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की डंकी से भिड़ेगी। अब सालार के निर्माता फिल्म के ट्रेलर और नए पोस्टर की सीरीज लॉन्च करेंगे। फिल्म के लिए प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए फुल-लेंथ ट्रेलर को दिसंबर में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

बॉलीवुड मन की बात

शादी टूटने पर छलका पूजा भट्ट का दर्द, कहा, बस हमारी एक दूसरे में खत्म होने लगी थी दिलचस्पी

पूजा भट्ट कुछ समय से कम ही फिल्मों में नजर आ रही हैं। पिछली बार एक्ट्रेस सलमान खान की होस्टिंग वाले रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आई थीं। वहीं, अब एक बार फिर से पूजा खबरों में आ गई हैं। इस बार उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बड़ा खुलासा है। एक्ट्रेस अपनी शादी टूटने का दर्द बताया है।

दरअसल, पूजा हाल ही में Unchain My Heart बुक की लॉन्चिंग इवेंट में शरीक होने के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान उन्होंने मनीष मखीजा संग अपनी टूटी हुई शादी से लेकर नशे की लत पर खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने इस मौके पर कहा, मैं एक ऐसी शादी में थी जो टूट रही थी। यह किसी कारण नहीं हो रहा था, लेकिन इसमें बोरियत थी। हम में से किसी ने भी एक दूसरे को धोखा नहीं दिया। बस हमारी एक दूसरे में दिलचस्पी खत्म होने लगी थी। मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मैं खुद को खो रही हूं। पूजा ने आगे कहा, कुछ वक्त के बाद मुझे ऐसा लगने लगा था कि मैं एक ऐसी शादी में फंस गई हूं जो वर्क ही नहीं कर रही है। इस शादी में मैं अपना अस्तित्व खो चुकी थी। मैं भूल गई थी कि मैं हूं कौन हूं? हालांकि, वे बहुत अच्छे इंसान थे, लेकिन मैं खुद को अकेला महसूस करती थी। पूजा का कहना है कि वह इस कारण शराब के नशे में डूब गई थीं। पूजा ने आगे बताया कि उन्होंने कैसे अपने नशे की लत से छुटकारा पाया। एक्ट्रेस ने कहा, मैं शराब को बैंड एड की तरह इस्तेमाल करने लगी थी। मैं इसमें फंस गई थी। पहले एक अच्छी पत्नी बनना और फिर बोतल में सुकून पाना। मैंने खुद से पूछा भी था कि एक शराब की बोतल और एक रिश्ते में क्या फर्क है, लेकिन मैं अपने दर्द को खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही थी। पूजा का कहना है कि आखिरकार उन्होंने अपने दर्द से लड़ना सीख लिया और शराब को पीछे छोड़ दिया। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अपने दर्द से निकले और नशा छोड़े हुए 7 साल हो चुके हैं।

कार्तिक संग ब्रेकअप को लेकर सारा अली खान ने दर्द किया बयां

कॉफी विद करण

कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में सारा अली खान और अनन्या पांडे नजर आईं। इस दौरान करण ने सारा अली खान से उनके कार्तिक आर्यन संग ब्रेकअप और उनके साथ अब दोस्ती बनाए रखने को लेकर एक सवाल पूछा। इस पर सारा ने खुलकर जवाब दिया। करण जौहर सारा से उनके एक्स से दोस्ती बनाए रखने पर सवाल किया। फिल्ममेकर ने पूछा कि क्या उनके लिए उस शख्स के साथ दोस्ती बनाए रखना आसान है जिसे वे डेट कर चुकी हैं? सारा अली खान ने जवाब में कहा कि, मैं ऐसा नहीं कहूंगी कि यह सब आसान है, क्योंकि यह थोड़ा ज्यादा अजीब लगेगा। यह हमेशा आसान नहीं होता। जब आप किसी के साथ इन्वॉल्व होते हैं, चाहे वह दोस्त हो, प्रोफेशनली हो, रोमांटिक तौर पर हो, खास तौर से अगर बात मेरी हो तो मैं इंवॉल्व होती हूं और इन्वेस्ट करती हूं।

कार्तिक आर्यन को सारा-अनन्या ने किया है डेट

बता दें कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन ने एक दूसरे को एक साल तक डेट किया था। हालांकि कुछ समय बाद ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था। वहीं अनन्या पांडे भी कार्तिक के साथ कुछ महीने तक रिश्ते में था, जो कि फिलहाल आदित्य रॉय कपूर को डेट करने को लेकर सुर्खियों में है।

आखिर पतली पटरियों पर कैसे दौड़ती है भारी-भरकम ट्रेन!

कोई भी वाहन हो सड़क अगर उबड़-खाबड़ हो तो चलना मुश्किल होता है। कई बार तो वह पलट जाती है। लेकिन कभी आपने सोचा कि रेलवे की पटरियां तो इतनी पतली होती हैं तो फिर ट्रेन इन पटरियों पर चलती कैसे है? इतना भारी भरकम होने के बावजूद वह पलटती क्यों नहीं? बारिश होने के बावजूद बिना फिसले सरपट दौड़ती रहती है, फिसलती क्यों नहीं? ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। यूजर्स ने अपने-अपने हिसाब से जवाब दिए। लेकिन क्या आपको सही जवाब पता है। दरअसल, इसके पीछे एक विज्ञान है। आपने भी फिजिक्स में घर्षण का नियम पढ़ा होगा। ट्रेन के दोनों किनारों से लगने वाला पार्श्वकारी बल (लैटरल बल) निश्चित सीमा के अंदर ही रहता है। जब तक पार्श्वकारी बल लंबवत लगने वाले बल से 30 या 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होता, तब तक ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने या पटरी से उतरने का खतरा नहीं है। बल के इस स्तर को बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। ट्रेन को दुर्घटना से बचाने के लिए उसकी अधिकतम गति क्षमता से कम पर उसे चलाया जाता है। ऐसा नहीं है कि हादसे नहीं होते। कई बार पटरियों की सुरक्षा में खामी होने की वजह से दिक्कतें आती हैं और ट्रेन पटरी से उतर जाती है। इसीलिए बार- बार इनकी जांच की जाती है। खासकर पटरी बिछाने के दौरान इनका ध्यान रखा जाता है। ड्राइवर को भी इस बारे में विशेष ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वह मानक से आगे न निकले। ट्रेन पटरी को अंदर से पकड़कर चलती है। यानी ट्रेन के टायर पटरी में सेट हो जाते हैं और टायर में पटरी के अंदर रहने वाला हिस्सा बड़ा होता है, जो पटरी को जकड़कर रखता है। ऐसे में जिस तरह ट्रेन की पटरी होती है, उसी तरह ट्रेन आगे बढ़ती है। मान लीजिए ट्रेन अगर सीधी है और उसकी शेप भी सीधी है तो ट्रेन भी सीधी ही जाएगी। इसे जहां मुड़ना होता है, वहां पटरी थोड़ी अलग होती है। आप देखेंगे पटरी के बीच नुकीले रेल यानी लोहे की पटरी लगी होती है। यह आने वाली ट्रेन को दिशा देने का काम करता है। यह थोड़ी घूमी हुई होती है।

अजब-गजब

इस गांव के लोग आज भी हैं बजरंग बली से नाराज, नहीं करते पूजा

द्रोणागिरी पर्वत के लोग मानते हैं कि हनुमान जी ने उखाड़ ली थी पहाड़ देवता की दायीं भुजा

भारत ही नहीं बल्कि पूरे संसार में हनुमान जी को संकटमोचन, महावीर जैसे कई नामों से जाना जाता है। लेकिन देवभूमि उत्तराखंड में एक ऐसा गांव है, जहां बजरंग बली का नाम लेना भी अपराध के समान है। बात थोड़ा हैरान करने वाली तो है लेकिन पूरी तरह से सच है। साथ ही पूरे गांव में एक भी हनुमान मंदिर नहीं है। कहा जाता है कि इस गांव के लोग हनुमान से आज भी नाराज हैं।

उत्तराखंड के चमोली जिले की नीति घाटी में द्रोणागिरी गांव है, जहां भोटिया जनजाति के करीब 100 परिवार रहते हैं। समुद्र तल से करीब 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित यह वहीं गांव है, जहां हनुमान मूर्छित पड़े लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी लेने आए थे और संजीवनी न पहचानने के कारण पूरा पर्वत ही उखाड़ कर ले गए थे। यही इस गांव वालों के गुस्से की वजह भी है।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि द्रोणागिरी पर्वत उनके लिए देवता हैं, जो साक्षात रूप में उन्हें दिखाई देते रहे हैं। जब हनुमान जी संजीवनी बूटी लेने आए, तो उन्होंने पहाड़ देवता से इसकी अनुमति नहीं ली और न ही उनकी ध्यान साधना पूरी होने का इंतजार किया, जिससे पहाड़ देवता का ध्यान भंग हुआ। इतना ही नहीं हनुमान जी ने पहाड़ देवता की दाईं भुजा भी उखाड़ डाली। द्रोणागिरी में मान्यता है कि आज भी पहाड़ देवता की दाईं भुजा से रक्त बह रहा है। यही वजह है कि यहां के लोग आज तक हनुमान जी से नाराज हैं और उनकी पूजा नहीं करते हैं।

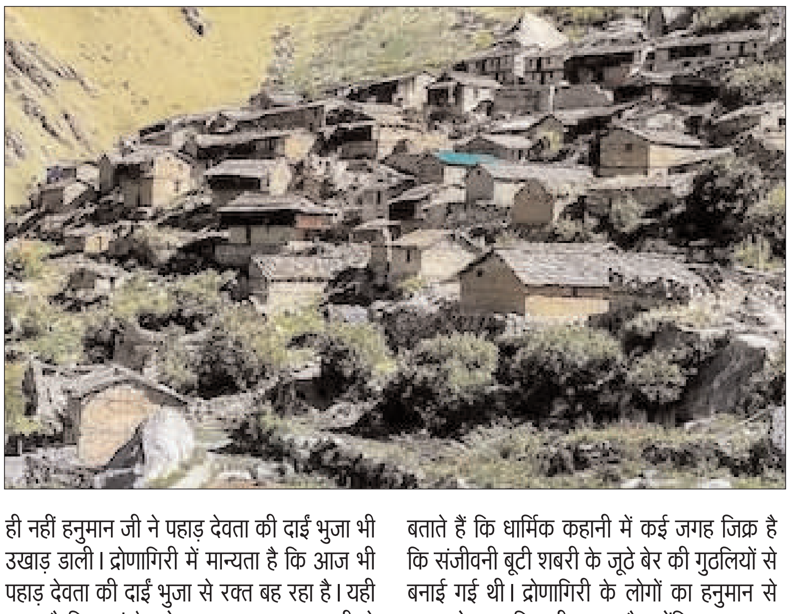

धार्मिक मान्यताओं के जानकर प्रतीक मिश्र पुरी बताते हैं कि धार्मिक कहानी में कई जगह जिक्र है कि संजीवनी बूटी शबरी के जूठे बेर की गुठलियों से बनाई गई थी। द्रोणागिरी के लोगों का हनुमान से खफा होना इसलिए भी जायज है क्योंकि अगर आज यहां पर द्रोणागिरी पर्वत पूरी तरह से होता, तो शायद गांव में और संपन्नता रहती।

विधायकों को पैसे देकर तोड़ने की कोशिश कर रही है बीजेपी : राहुल

बोले- भाजपा की सरकारों ने सिर्फ अराजकता फैलाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक चुनावी जनसभा में भाजपा की केंद्र व मध्यप्रदेश की राज्य सरकारों पर जमकर हमला बोला है। राहुल ने मौजूदा बीजेपी सरकार को चोरी की सरकार बताते हुए उनकी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने के आरोप भी बीजेपी पर लगाए। साथ कांग्रेस सांसद ने कांग्रेस की अपनी सरकारों की जमकर तारीफ की है।

राहुल ने अपनी सभा में युवाओं से लेकर उनके रोजगार और किसानों के कर्ज माफी को लेकर कई बातें की, तो वहीं अपने भाषण में उन्होंने आदिवासियों का भी जिक्र किया। इस दौरान राहुल ने कांग्रेस शासित राज्यों के अपने शासन की जमकर तारीफ की तो वहीं भाजपा शासित मध्यप्रदेश की मौजूदा सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने मंच से युवाओं से वादा किया कि अगर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो युवाओं को रोजगार देने का काम किया जाएगा, तो वहीं अपनी 15 महीने की कांग्रेस सरकार की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों का कर्ज माफ किया था, तो वहीं बीजेपी सरकार में कर्ज के कारण 18000 किसानों के आत्महत्या करने के गंभीर आरोप भी लगाए।

हमने जो वादे किए सब पूरे किए

राहुल गांधी ने कांग्रेस शासित राज्यों जिनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक और हिमाचल का जिक्र करते हुए कहा कि जहां-जहां हमारी सरकारें हैं वहां हमने जिस तरह से वादे किए थे उन सभी को पूरा किया है। राजपुर में अपनी चुनावी सभा के दौरान राहुल ने आदिवासियों के लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आदिवासी भाई पर पेशाब की। आदिवासियों को वनवासी कहा जाता है। उन्होंने आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भले ही जंगल में रहो लेकिन अगले 15 सालों में यह जंगल खत्म हो जाएंगे। जब जंगल नहीं रहेंगे तो फिर आप लोग शहर में जाएंगे और भीख मांगेंगे।

छत्तीसगढ़ में किसानों ने खेत बेचना किए बंद

राहुल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को उनके खेतों का जमीनों के दाम नहीं पता है, क्योंकि अब उन्होंने खेतों की जमीन बेचना बंद कर दिए। अब उन्हें अपने खेतों की फसलों के सही दाम मिल रहे हैं। जिसमें से वहां धान के ही आज 3200 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं। और यही सब हम मध्य प्रदेश में किसानों के लिए करना चाहते हैं जो कि हमने छत्तीसगढ़ में किया है, क्योंकि यदि किसानों के पास पैसा रहेगा तब वह छोटे दुकानदारों से माल खरीदेंगे और इसी तरह से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

कांग्रेस आई तो होगा नुकसान : सिंधिया

विजयराघवगढ़ विधानसभा के औद्योगिक नगरी पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भाजपा की अनेक योजनाओं को गिनाते हुए वोट करने की अपील की। सिंधिया कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का बिना नाम लिए डायलॉग मारते हुए बड़े भाई कहकर तंज कसते नजर आए। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में आज स्टार प्रचारक ज्योतिरादित्य सिंधिया उद्योगिक नगरी कैमोर पहुंचे, जहां बीजेपी नेताओं ने उनका फूल मालाओं से भव्य स्वागत करते उन्हें सभा मंच तक ले गए। इन दौरान कांग्रेस का दामन छोड़कर आधा सैकड़ा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के हाथों बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महिलाओं और किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस की सरकार आई तो किसान निधि सहित अन्य योजनाएं लॉक हो जाएंगी। क्योंकि मैंने और संजय पाठक ने उस ओर की दो लोगों की जोड़ियों को काफी करीब से देखा है। इसलिए कांग्रेस की सरकार गलती से भी नहीं बननी चाहिए।

फोटो: सुमित कुमार

एक दिवाली मजबूरी की! उत्तर प्रदेश की डायल 112 सेवा की महिला संविदा कर्मचारियों को अनोखी अंदाज में दिवाली मनाते हुए देखा गया। यह लोग धरने पर बैठकर अपनी सैलरी बढ़ाने की मांग कर रही हैं और इन्होंने वहीं पर दीपक जलाकर और रंगोली बनाकर दिवाली मनाई।

होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे को शासन ने निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ एसडीएस ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्या ने तमाम सनसनीखेज आरोप लगाए थे। होमगार्ड मुख्यालय के आदेश पर डीआईजी होमगार्ड प्रयागराज रेंज ने जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके बाद डीजी होमगार्ड ने शासन से मनीष दुबे को निलंबित करने की संस्तुति की थी।

» ज्योति मौर्या केस में आए थे विवादों में

बीते सप्ताह होमगार्ड मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने भी मनीष दुबे को निलंबित करने का आदेश दिया था। निलंबित होने के बाद जल्द उनको आरोप पत्र सौंपा जाएगा। डीजी होमगार्ड बीके मौर्या ने बताया कि मनीष को विभाग की छवि धूमिल करने, मनमानी करने, अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किया गया है।

आज सुबह अचानक हुई बारिश से मौसम का तापमान घटा

» आंधी और बारिश की चेतावनी, जारी हुआ अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिवाली से पहले प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में धुंध और बादल रहे। इसकी वजह से दिन में उमस का सामना करना पड़ा। शाम को कुछ जगहों पर हल्की हवाएं चलीं। लखनऊ सहित आसपास के जिलों में देर रात हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश होने से मौसम बदला। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी हुई तो कहीं पर तेज बारिश हुई। शनिवार की सुबह धुंध छाई रही।

अवध के क्षेत्र में बादलों की आवाजाही बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को बारिश होने की संभावना है। बारिश होने से दिवाली के बाजार पर असर पड़ सकता है। ज्यादातर मार्केट खुले में लगा हुआ है। यदि बारिश होती है तो दुकानदारों को बड़ा नुकसान हो सकता है।

पश्चिमी यूपी में भी बिगड़ेगा मौसम

हरियाणा-पंजाब की ओर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर यूपी के मौसम पर भी नजर आने लगा है। कई जिलों में बृहस्पतिवार शाम से शुक्रवार सुबह तक कई इलाकों में बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक मो. दानिश ने बताया कि शनिवार को पश्चिमी यूपी में धूल भरी आंधी चलने व बारिश की संभावना है। इसके लिए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

कीवी बल्लेबाज रचिन बने प्लेयर ऑफ द मंथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फॉर्म में चल रहे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर रचिन रवींद्र ने 10 नवंबर को अक्टूबर 2023 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता है। उभरते हुए युवा खिलाड़ी ने गुरुवार को प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की जगह पक्की कर दी और अब इसे पहले आईसीसी पुरस्कार के साथ मना रहे हैं।

23 वर्षीय स्पिन ऑलराउंडर ने पुरस्कार का दावा करने के लिए भारत के जसप्रित बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक की चुनौती को पार कर लिया। रचिन ने भारत में चल रहे विश्वकप में 565 रन और पांच विकेट लेकर सनसनीखेज प्रदर्शन किया है और क्रिकेट जगत का ध्यान आकर्षित किया है। अक्टूबर में, बाएं हाथ के बल्लेबाज ने चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में नाबाद शतक बनाकर विश्वकप की शुरुआत की। उन्होंने 28 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक और शानदार शतक लगाकर इस गर्म महीने का समापन किया, लेकिन दुर्भाग्य से, 389 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम की करीबी हार हुई। रचिन ने अक्टूबर में भारत और नीदरलैंड के खिलाफ अर्द्धशतक भी दर्ज किया और तीन विकेट भी लिए। बुमराह ने पिछले महीने सात वनडे पारियों में 14 विकेट लिए और डी कॉक ने विश्वकप की आठ पारियों में 550 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

बुमराह और डी कॉक को छोड़ा पीछे

अफ्रीका ने अफगान को पांच विकेट से हराया

अफगानिस्तान का वर्ल्डकप 2023 सफर शुक्रवार को अहमदाबाद में समाप्त हो गया। 245 रनों का पीछा करते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने 47.3 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अफगानिस्तान ने इस बार वर्ल्ड कप में चार मैच जीते। टीम के प्रदर्शन से कप्तान हश्मतुल्लाह शहीदी ने खिलाड़ियों की प्रशंसा की। मैच के बाद शहीदी ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। हम हर मैच में अंत तक लड़े। यह हमारे लिए बड़ी सीख है। इस टूर्नामेंट में हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के 9 मैच में 14 अंक हासिल दूसरे स्थान पर लीग स्टेज खत्म किया। वहीं, अफगानिस्तान ने विश्वकप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट में चार जीत के साथ समाप्त किया और चैंपियंस ट्रॉफी में भी स्थान हासिल करने के करीब है।

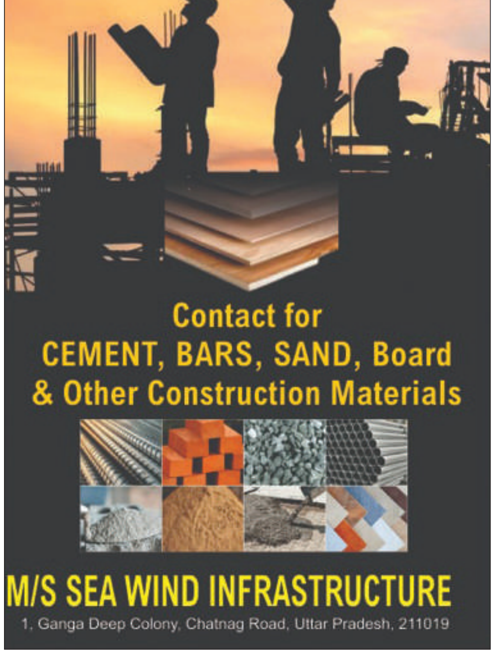

येदियुरप्पा के बेटे को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस ने बीजेपी पर किया कटाक्ष, कहा-

वाह भाजपा! भाई-भतीजावाद विरोध का क्या नायाब नजारा पेश किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। भाजपा द्वारा हाल ही में वरिष्ठ नेता येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त करने पर कांग्रेस ने बीजेपी को जमकर घेरा है। कांग्रेस ने तीखा पलटवार करते हुए सत्तारूढ़ दल बीजेपी पर कटाक्ष किया और वंशवाद की राजनीति को कायम रखने का आरोप लगाया। कर्नाटक में कांग्रेस ने कहा, येदियुरप्पा के बेटे को बधाई, जिन्हें बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। हम राज्य के लोगों से इस झूठ पर विश्वास करने की अपील करते हैं कि भाजपा में कोई परिवारवाद की राजनीति नहीं है। दरअसल शुक्रवार को बीजेपी ने पार्टी लेटरहेड पर विजयेंद्र की पदोन्नति की जानकारी दी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने विधायक विजयेंद्र येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने कहा, भाजपा कर्नाटक में भाई-भतीजावाद विरोध का एक ज्वलंत उदाहरण है। पार्टी ने बीएस येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करके योग्यता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा, भाजपा वास्तव में एक अलग तरह की पार्टी है। धन्यवाद मोदी जी।

बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए पीएम को धन्यवाद : विजयेंद्र

नियुक्ति के बाद विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा, कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी को मेरा विनम्र प्रणाम। उन्होंने कहा कि मैं इसे एक मजबूत संगठनात्मक नींव बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के सक्षम मार्गदर्शन में अपने प्रिय कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का एक दिव्य अवसर मानता हूं जो हमारी पार्टी और इसके महान संस्थापकों के राष्ट्रवादी आदर्शों और सिद्धांतों की परिकल्पना करता है। कर्नाटक के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा ने बेटे बीवाई विजयेंद्र येदियुरप्पा को कर्नाटक का पार्टी अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी।

महादेव ऐप मामले के 18 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस ने महादेव ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई की है। महादेव एप के 18 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है। साल 2022 में नोएडा की एक पॉश सोसायटी से महादेव ऐप से जुड़े लोग पकड़े गए थे। नोएडा पुलिस ने इस ऐप को बैन करने के लिए भी लिखा था। इस मामले में नोएडा के थाना 39 में केस दर्ज हुआ था। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग राज्यों के अलावा छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं।

पुलिस इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है। महादेव ऐप मामले में इस समय जमकर राजनीति हो रही है, भाजपा इस मामले में छत्तीगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेर रही है, उधर, मुंबई पुलिस ने भी महादेव ऐप मामले में कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. मुंबई पुलिस ने कथित तौर पर करीब 15,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तक समेत 32 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। माटुंगा पुलिस के अधिकारी के अनुसार, 2019 से अब तक धोखाधड़ी करने के लिए 'ऐप प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर, एवं मुख्य आरोपी रवि उप्पल और शुभम सोनी तथा अन्य के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी।

मेरठ के सीओ पर आपत्तिजनक व्हाट्सएप मैसेज भेजने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सीओ सिविल लाइन, मेरठ अरविंद चौरसिया द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के बाहर जा कर पत्रकारों को व्हाट्सएप मैसेज भेजे जाने के संबंध में डीजीपी यूपी को शिकायत भेज कर जांच और कार्यवाही की मांग की है।

इन व्हाट्सएप मैसेज की प्रति संलग्न कर प्रेषित शिकायत में अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि उन्होंने कंकड़खेड़ा भूमि घोटाले के संबंध में 8 नवंबर 2023 को मेरठ में प्रेस वार्ता की थी, इसके बाद मोबाइल नंबर 9264981749, जो अरविंद चौरसिया का निजी मोबाइल नंबर बताया जाता है, से लगभग 12.30 बजे के आसपास मेरठ के तमाम पत्रकारों को पूर्व इंटेलिजेंस कर्मी देवेंद्र सिंह के संबंध में कुछ व्हाट्सएप मैसेज भेजे गए। इन मैसेज में देवेंद्र सिंह पर आपत्तिजनक व्यक्तिगत टिप्पणियो के साथ ही आजाद अधिकार सेना का भी उल्लेख था। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया है कि इन मैसेज का उद्देश्य उनके तथा देवेंद्र सिंह द्वारा कंकडखेड़ा भूमि घोटाले में सामने लाए जा रहे तथ्यों की विश्वसनीयता को कम करना था।

अमिताभ ठाकुर ने की जांच की मांग

चंद्रबाबू नायडू की जमानत अर्जी पर 15 को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कौशल विकास निगम घोटाला मामले में तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की जमानत याचिका 15 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

फिलहाल, नायडू इस मामले में 28 नवंबर तक अस्थायी जमानत पर हैं। इस बीच, आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने अमरावती भूमि घोटाले को फिर से खोलने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसमें नायडू और वरिष्ठ तेदेपा नेता पी. नारायण को आरोपी बनाया गया है। उच्च न्यायालय ने अमरावती भूमि घोटाला मामले की सुनवाई 22 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

हरियाणा में जहरीली शराब पीने से अब तक 19 की मौत, जांच जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीण शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक कांग्रेस नेता और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) नेता के बेटे भी शामिल हैं।

इस मामले में जहरीली शराब पीने से मौतें यमुनानगर और पड़ोसी अंबाला जिले के मंडेबरी, पंजेटो का माजरा, फूसगढ़ और सारन गांवों में हुई हैं। बता दें कि जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। जहरीली शराब पीने से मरने वालों में 70 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल है। उनके बेटे रविंदर ने कहा, कल रात मेरे पिता की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। वह शराब के आदी थे, लेकिन आमतौर पर बहुत कम शराब पीते थे। वह अपने दोस्तों के साथ शराब पीते थे, जिनकी पहले जहरीली शराब पीने से मौत हो गई थी। पुलिस ने अब तक सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और अन्य को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

दोषियों को दी जाय फांसी की सजा : खाचरियावास

- दौसा में पुलिस पर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का आरोप
- भाजपा ने गहलोत सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में एक पुलिस उप-निरीक्षक ने नाबालिग लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म किया है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल, आरोपी पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की पूछताछ हो रही है। उधर इस मामले में भाजपा ने गहलोत सरकार को घेरा है।

इस मामले पर राजस्थान के मंत्री प्रताप खाचरियावास ने कहा, ऐसे मामलों में दोषियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। अपराध को रोकना हर किसी की जिम्मेदारी है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि दोषियों को मौत की सजा मिले।

सरकार की अनदेखी से बढ़ रही घटनाएं : सीपी जोशी

नाबालिग से दुष्कर्म पर राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा, हम इस घटना की निंदा करते हैं और आरोपियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। पांच साल से ऐसी घटनाएं क्यों हो रही है और लगातार बढ़ती जा रही है? जब सरकार और प्रशासन इस तरह की घटनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं, तो फिर अपराधी ऐसे अपराध करने में सफल हो जाते हैं। पिछले 5 सालों से जिस तरह से दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा रही है। अब समय आ गया है कि राज्य में मौजूदा सरकार को हटाएं। जिन्हें जनता की रक्षा के लिए तैनात किया गया है, वहीं रक्षक आज भक्षक बन गए हैं। जब सदन में इन मामलों को भाजपा उठाती है, तो कांग्रेस के कैबिनेट मंत्री मर्दों का गुणगान करके उन बातों को दबाने की कोशिश करते हैं।

आरोपी को हिरासत में लिया गया : एएसपी

घटना लालसोट इलाके की है, जहां पुलिसकर्मी ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया और फिर वहां उस बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। एएसपी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, बच्ची की सही उम्र का पता मेडिकल जांच के बाद लगेगा, लेकिन इससे ज्यादा अब तक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गहलोत सरकार को नोटिस

पुलिसकर्मी द्वारा एक नाबालिग लड़की के साथ कथित दुष्कर्म पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा, हमने मामले को संज्ञान में लिया है। हम राजस्थान सरकार को एक नोटिस जारी कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि सिस्टम कितना असंवेदनशील हो गया है। हमें जो शुरुआती जानकारी मिली है, उसके मुताबिक हम कार्रवाई कर रहे हैं। परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना जरूरी है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि पीड़िता के परिवार को सुरक्षा मिले और उसे उचित परामर्श दिया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।